श्री गोवर्धन महाराज | By Madhav Sharma |

श्री गोवर्धन महाराज महाराज
तेरे माथे मुकुट विराज रह्यो

तोपे पान चढ़े तोपे फूल चढ़े
और चढ़े दूध की धार धार
तेरे माथे मुकुट विराज रह्यो
श्री गोवर्धन महाराज महाराज
तेरे माथे मुकुट विराज रह्यो

तेरे कानन कुंडल सोहे रहे
तेरी ठोड़ी पे हीरा लाल हो लाल
तेरे माथे मुकुट विराज रह्यो
श्री गोवर्धन महाराज महाराज
तेरे माथे मुकुट विराज रह्यो

तेरे गले में कंठा सोहे रह्यो
तेरी झांकी बनी विशाल विशाल
तेरे माथे मुकुट विराज रह्यो
श्री गोवर्धन महाराज महाराज
तेरे माथे मुकुट विराज रह्यो

तेरे मान से गंगा निकट बहे
जा में संत करें स्नान स्नान
तेरे माथे मुकुट विराज रह्यो
श्री गोवर्धन महाराज महाराज
तेरे माथे मुकुट विराज रह्यो

तेरे सात कोस की परिकम्मा
और चकलेश्वर विश्राम विश्राम
तेरे माथे मुकुट विराज रह्यो
श्री गोवर्धन महाराज महाराज
तेरे माथे मुकुट विराज रह्यो

तेरे अंग में जामा केसरीया
तेरो पटका लाल गुलाल गुलाल
तेरे माथे मुकुट विराज रह्यो
श्री गोवर्धन महाराज महाराज
तेरे माथे मुकुट विराज रह्यो

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%97%e0%a5%8b%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a7%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%9c-by-madhav-sharma/